अग्र भारत

नई सोच का अखबार

www.agrabharat.in

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

वर्षः 19 | अंकः 98 | आगरा, गुरूवार 24 सितम्बर 2026 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2.00 रू.

पीएम मोदी दिसंबर में जा सकते हैं अमेरिका ट्रंप से मुलाकात और क्वाड बैठक के आसार

नई दिल्ली(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिसंबर में अमेरिका का संभावित दौरा भारत की कूटनीति के लिहाज से अहम हो सकता है। वह 14 और 15 दिसंबर को फ्लोरिडा में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं। इस दौरे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से द्विपक्षीय मुलाकात और क्वाड नेताओं की बैठक होने की भी संभावना है, जिसमें भारत के साथ अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल होंगे। इस बार जी20 बैठक की मेजबानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करेंगे और यह फ्लोरिडा के ट्रंप नेशनल डोरल मियामी रिजॉर्ट में होगी। हालांकि, भारत सरकार की ओर से पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा को लेकर अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है, इसलिए इसे फिलहाल संभावित दौरे के तौर पर ही देखा जा रहा है।

फ्लोरिडा दौरे के दौरान पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच द्विपक्षीय बैठक होने की भी संभावना है। दोनों नेताओं की मुलाकात जी20 सम्मेलन से अलग होने की उम्मीद है, हालांकि अभी इस बैठक की तारीख या समय की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए इसे फिलहाल संभावित बैठक के तौर पर ही देखा जा रहा है। आधिकारिक कार्यक्रम सामने आने के बाद ही तस्वीर साफ होगी। जी20 सम्मेलन के इतर क्वाड देशों के नेताओं की बैठक होने की भी संभावना जताई जा रही है। यानी अमेरिका में होने वाले जी20 सम्मेलन के दौरान एक और अहम बैठक हो सकती है। हालांकि इस बैठक को लेकर भी अभी अंतिम पुष्टि नहीं हुई है। यदि पीएम मोदी का संभावित अमेरिका दौरा हुआ तो जी20 सम्मेलन के साथ क्वाड बैठक भी कार्यक्रम का हिस्सा बन सकती है।

जी20 सम्मेलन के लिए अमेरिका दौरे के साथ पीएम मोदी के कनाडा दौरे की भी संभावना है। हालांकि, कनाडा यात्रा को लेकर भी अभी कोई औपचारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी में दिसंबर के संभावित कार्यक्रम में अमेरिका के साथ कनाडा दौरे की संभावना का भी जिक्र है। दोनों यात्राओं की अंतिम जानकारी आधिकारिक घोषणा के बाद ही सामने आएगी। भारत सरकार की ओर से पीएम मोदी के अमेरिका दौरे का औपचारिक ऐलान अभी नहीं हुआ है। आमतौर पर ऐसी उच्चस्तरीय यात्राओं की आधिकारिक घोषणा यात्रा की तारीख नजदीक आने पर की जाती है। इसलिए अभी पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा को लेकर सिर्फ संभावना की स्थिति है। अमेरिका दौरे की पुष्टि के साथ ही जी20 सम्मेलन में उनकी भागीदारी और ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक की स्थिति भी साफ होगी।

जिसकी विरोधी रहीं सायोनी अब उसी भाजपा के लिए मांगेंगी वोट

बंगाल उपचुनावों में नए समीकरण बनते दिख रहे

कोलकाता(ए)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक दिलचस्प मोड़ सामने आया है, जहां अभिनेत्री और तृणमूल कांग्रेस की मुखर आलोचक सायोनी घोष अब भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रचार करती दिख सकती हैं। नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) ने नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में भाजपा का समर्थन करने की घोषणा की है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अरूप रॉय की डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस ने भी इन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जिससे मुकाबला और भी त्रिकोणीय हो गया है। फिलहाल, एनसीपीआई ने अपने नेताओं के नामों का ऐलान नहीं किया है, जो भाजपा के लिए प्रचार करेंगे।

एनसीपीआई, जिसमें ममता बनर्जी से अलग हुए 20 बागी सांसद शामिल हैं, ने खुद को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) का दूसरा सबसे बड़ा भागीदार बताया है। पार्टी ने कहा है कि चूंकि उनके पास कोई उम्मीदवार नहीं है, इसलिए उन्होंने भाजपा के समर्थन में प्रचार करने का फैसला किया है। एनसीपीआई का दावा है कि एनडीए में वे भाजपा के बाद सबसे बड़े दल हैं। पार्टी अध्यक्ष ज्योति प्रकाश चटर्जी ने इस फैसले को राज्य के भविष्य से जोड़ा। उन्होंने कहा, एनसीपीआई एनडीए में भाजपा के बाद सबसे बड़ा साझेदार है। जिस तरह से हमारे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री राज्य के लिए काम कर रहे हैं, मुझे लगता है कि लंबे समय से चली आ रही टकराव की स्थिति से अब राज्य के लोगों को छुटकारा मिलना चाहिए। अब टकराव का समय नहीं है, बल्कि साथ मिलकर काम करने का समय है। उन्होंने आने वाले समय में एक बड़ी बैठक की भी घोषणा की, जिसमें केंद्रीय और राज्य नेतृत्व के शामिल होने की बात कही गई। हालांकि, भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि इस समर्थन का मतलब किसी चुनावी गठबंधन से नहीं है। प्रदेश प्रवक्ता सायंतन बसु ने कहा, यह अच्छी बात है कि एनसीपीआई ने भाजपा के लिए प्रचार करने का फैसला किया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बंगाल में भाजपा और एनसीपीआई का कोई चुनावी गठबंधन हो सकता है या भविष्य में किसी भी तरह से सीटों का बंटवारा हो सकता है। दूसरी ओर, डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस ने इन उपचुनावों को ममता बनर्जी के खिलाफ सीधी लड़ाई माना है। पार्टी नेता संदीपन साहा ने कहा कि यह चुनाव साबित कर देगा कि असली तृणमूल वे ही हैं, क्योंकि ममता गुट की उम्मीदवार मुकाबले से पीछे हट गई हैं। इस बागी गुट ने नंदीग्राम से मोहम्मद एतेशामुल हक को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस भी राज्य में तृणमूल कांग्रेस में टूट का फायदा उठाने की कोशिश में है। कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि उनकी पार्टी को अब तृणमूल की जगह लेनी चाहिए और भाजपा विरोधी सभी मतदाताओं, खासकर अल्पसंख्यक मतदाताओं की स्वाभाविक पसंद के रूप में उभरना चाहिए।

राम मंदिर दान चोरी केस में 7000 पन्ने की चार्जशीट दाखिल

अयोध्या(ए)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर आठों आरोपियों के खिलाफ एंटी करप्शन कोर्ट में 7 हजार पन्नों से अधिक की विस्तृत चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। विवेचक बुधवार सुबह बड़े-बड़े बक्सों में चार्जशीट लेकर कोर्ट पहुंचे, जिसमें आरोप पत्र के साथ-साथ बैंक स्टेटमेंट और बैंक की जमा पर्चियां भी मौजूद थीं। इस चार्जशीट में राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा का नाम न होने पर मौके पर मौजूद अधिवक्ताओं ने गहरी नाराजगी और असंतोष जताया है। दाखिल की गई इस चार्जशीट में कुल 173 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं और इसमें 105 बार चोरी होने का जिक्र किया गया है। इसके अलावा, रिकॉर्ड की गई जांच में 803 चीजों का रिकॉर्ड पूरी तरह सही पाया गया है, जबकि 86 कीमती चीजों की रसीद नहीं मिल सकी है। पुलिस द्वारा आरोपियों के पास से कार, गहने और 79.85 लाख रुपये नकद बरामदगी का भी चार्जशीट में विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में हुई पिछली सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को जानकारी दी थी कि एसआईटी इस मामले में आरोपपत्र दाखिल करेगी। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस. के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने मीडिया और सोशल मीडिया पर मूल्यवान चढ़ावे से संबंधित लगाए गए सभी आरोपों का गहन सत्यापन किया था। एसआईटी की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि मंदिर के तीर्थयात्री सुविधा केंद्र के गिनती कक्ष के सीसीटीवी फुटेज और अन्य डिजिटल आंकड़ों से यह स्पष्ट हुआ कि गिनती प्रक्रिया में शामिल कुछ लोगों की मिलीभगत से कक्ष से नकदी को अनधिकृत रूप से निकालने या छिपाने के 105 मामले सामने आए थे। चार्जशीट और एसआईटी की रिपोर्ट में कुल आठ आरोपियों की पहचान की गई है, तथा उनके बैंक खातों में जमा उस रकम का पूरा ब्यौरा दिया गया है जिसका कोई स्पष्ट स्रोत नहीं मिल सका है। इसके साथ ही, उन सभी चल और अचल संपत्तियों की जानकारी भी सार्वजनिक की गई है जिनमें चोरी का अवैध पैसा लगाया गया था।

अल नीनो का विकराल रूप: प्रशांत में तूफानों का तांडव, भारत में वर्षा संकट गहराया

नई दिल्ली (ए)। प्रशांत महासागर में सक्रिय अल नीनो अब विकराल रूप धारण करता दिख रहा है, जिसका असर वैश्विक मौसम पर स्पष्ट है। इससे प्रशांत क्षेत्र में अब तक कम से कम 17 शक्तिशाली तूफानों को जन्म दिया है, जिन्होंने जान-माल के साथ-साथ समुद्री व्यापार को भी अस्त-व्यस्त किया है। वहीं, भारत में इस मॉनसून सीजन में कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है, जिससे कृषि और जल संसाधनों के लिए गंभीर चिंताएँ पैदा हो गई हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, प्रशांत महासागर का बढ़ता तापमान उष्णकटिबंधीय तूफानों के लिए एक आदर्श प्रजनन स्थल बन गया है। इस साल जून में अपनी दस्तक के बाद से अल नीनो लगातार मजबूत हुआ है, जिससे समुद्र की गर्म सतह तूफानों को अद्वितीय ऊर्जा प्रदान कर रही है और उनकी तीव्रता व संख्या में वृद्धि हुई है। अगस्त माह में सिर्फ प्रशांत महासागर और दक्षिण चीन सागर में कुल 12 चक्रवाती प्रणालियाँ विकसित हुईं। हांगकांग के मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, 1961 के बाद किसी एक महीने में इतनी बड़ी संख्या में तूफानों का बनना यह एक नया रिकॉर्ड है। इन तूफानों का कहर अप्रैल से अब तक प्रशांत क्षेत्र में 230 से अधिक लोगों की जान ले चुका है। चीन को जुलाई में लगातार तीन बड़े तूफानों सहित कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा, जिससे भारी तबाही हुई। अमेरिकी आँकड़ों के अनुसार, सिर्फ जुलाई में चीन में इन आपदाओं से करीब 8.5 अरब डॉलर का सीधा आर्थिक नुकसान हुआ। इसके अलावा, प्रमुख शिपिंग कंपनियों ने एशिया-प्रशांत के कुछ व्यस्ततम बंदरगाहों पर जहाजों के समय पर नहीं पहुँचने और बढ़ती भीड़ की समस्याओं की सूचना दी है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ा है। प्रशांत में जहाँ तूफानों का सिलसिला जारी है, वहीं भारत में मॉनसून की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। 1 जून से 18 सितंबर तक के आँकड़ों के अनुसार, देश के लगभग 43 प्रतिशत क्षेत्र में सामान्य से कम या अत्यधिक कम बारिश दर्ज की गई है। उदाहरण के लिए, बिहार में लगभग 37 प्रतिशत और राजस्थान में करीब 20 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। इस कमी का सीधा असर खरीफ फसलों की पैदावार और करोड़ों किसानों की आय पर पड़ना तय है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले महीनों में भी प्रशांत क्षेत्र में तूफानी गतिविधियाँ बनी रह सकती हैं।

ओएनजीसी ने समुद्र में खोजा गैस का कुंआ, कोणार्क तट से 43 किलोमीटर है दूर

नई दिल्ली,(ए)। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) ने 18 सितंबर को समंदर में गैस का बड़ा भंडार ढूंढ़ निकाला है। ओएनजीसी ने एमएन-डीडब्ल्यू18-1-एच-टी कुएं की खोज ओडिशा के कोणार्क तट से करीब 43 किलोमीटर दूर 1,441 मीटर से 1,452 मीटर की गहराई में की है। ओएनजीसी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उसने एक कुएं में यह खोज की है। इस कुएं की खुदाई 1,623 मीटर की तय गहराई तक की गई थी। यह राष्ट्रीय अपतटीय खोज मिशन के तहत महानदी बेसिन में मिली पहली बड़ी सफलता है, जो यह साबित करता है कि भारत के पूर्वी अपतटीय क्षेत्रों में अभी भी ऊर्जा के ऐसे विशाल भंडार मौजूद हैं, जिनकी खोज अभी तक नहीं की जा सकी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओएनजीसी ने बताया कि कुएं की खुदाई के वक्त 1,441 मीटर और 1,452 मीटर की गहराई के बीच गैस मिली है। कुआं कोणार्क के तट से करीब 43 किमी दूर स्थित है। अगर आगे की जांच और मूल्यांकन में यह खोज व्यावसायिक रूप से फायदेमंद साबित होती है, तो इस स्थिति से जल्द कमाई शुरू करने में मदद मिल सकती है, जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है कि कुआं तट के करीब है इसलिए गैस को पाइपलाइन और ऑनशोर प्रोसेसिंग प्लांट तक लाना आसान होगा और इसमें खर्च भी कम आएगा।

ओएनजीसी ने कहा कि इस कुएं से अच्छे फ्लो और रिजर्वायर प्रेशर के साथ गैस निकल रही है। इस इलाके में हुई दूसरी खोजों के साथ-साथ यह खोज भी पीएनजी रूल्स, 2025 के तहत साझा सुविधाओं के जरिए विकास के लिए एक विकल्प हो सकती है, जिससे डीपवॉटर रिसोर्स का उत्पादन शुरू हो सकेगा। ओएनजीसी इन सभी अलग-अलग गैस के कुओं को एक ही नेटवर्क से जोड़कर उनका संचालन कर सकेगी। यह गैस की खोज ऐसे समय में हुई है जब सरकार घरेलू स्तर पर खोज और उत्पादन को बढ़ाना चाहती है, खासकर ऑफशोर और डीपवॉटर इलाकों में। सरकार ने जुलाई में 84,000 करोड़ रुपए की समुद्र मंथन पहल शुरू की थी ताकि ड्रिलिंग की लागत और खोज से जुड़े जोखिमों को कम करके भारत के ऑफशोर इलाकों में खोज को बढ़ावा दिया जा सके।

यूएई में भारतीय की नृशंस हत्या, शव के 9 टुकड़े मिले

बेंगलुरु(ए)। कर्नाटक के प्रकाश, बेहतर जिंदगी की तलाश में सालों पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शारजाह पहुंचे थे। उनकी सामान्य जिंदगी जुलाई में उस समय बिखर गई जब एक खबर ने उनके परिवार के पैरों तले जमीन खिसका दी। प्रकाश की हत्या हो चुकी थी, और जो सामने आया वह और भी खौफनाक था, उनके शव के नौ टुकड़े कर दिए गए थे। इस मामले में एक बड़ा रहस्य यह भी है कि प्रकाश की पत्नी और बच्चा अब तक लापता हैं, जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या उनके साथ कोई अनहोनी हुई है या पत्नी इस हत्याकांड में शामिल है। मृतक का पूरा नाम एल्विन प्रकाश कुंदर था, जो उडुपी के कुंडापुर के निवासी थे। प्रकाश शारजाह एयरपोर्ट पर लगभग 14 साल से काम कर रहे थे और अपनी पत्नी टीना कुंदर व बेटे के साथ शारजाह में रहते थे। परिवार के मुताबिक, प्रकाश आखिरी बार पिछले साल दिसंबर में भारत आए थे और फिर वापस शारजाह लौट गए थे। उनकी पत्नी टीना, जो उडुपी के उद्यावर की रहने वाली हैं, एक स्कूल टीचर हैं, जबकि उनका बेटा 10वीं कक्षा में पढ़ता है। प्रकाश के भाई अनिल प्रशांत कुंदर ने बताया कि उन्होंने 20 जुलाई के आसपास प्रकाश से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कॉल का जवाब नहीं मिला। इसके बजाय, प्रकाश ने एक टेक्स्ट मैसेज भेजकर कहा कि वह ठीक हैं। परिवार को यह बात अजीब लगी क्योंकि प्रकाश आमतौर पर वॉयस मैसेज के जरिए ही बात करते थे। लगभग एक हफ्ते बाद जब अनिल ने दोबारा कॉल की, तो कोई जवाब नहीं मिला। भाई को लेकर परेशान अनिल ने शारजाह में प्रकाश के क्लासमेट मनोहर से संपर्क किया और उनसे प्रकाश का हाल-चाल लेने को कहा।

देश में त्यौहार से पहले बिजली संकट! 35 फीसदी बचा कोयले का स्टॉक

नई दिल्ली,(ए)। त्यौहार से पहले जब बिजली खपत बढ़ जाती है ऐसे में देश बिजली संकट से जूझ रहा है। ऐसा सरकारी डाटा के आंकड़े से पता चला है। इन आंकड़ों के मुताबिक भारत में करीब 40 फीसदी कोयले से चलने वाले पावर प्लांट के पास बहुत कम मात्रा में फ्यूल बचा है। दरअसल सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के डाटा से इस बात का पता चला है। इस डाटा के मुताबिक 19 सितंबर तक ऐसे पावर प्लांट जिनके पास कोयले का बहुत कम स्टॉक बचा है, उनकी संख्या 74 हो गई है। पलांट्स के पास 35 फीसदी से भी कम कोयले का स्टॉक बचा है, जिससे केवल तीन दिन से भी कम समय तक बिजली पैदा हो सकती है। ये संख्या पिछले हफ्ते तक करीब 60 थी जो एक हफ्ते में ही तेजी से बढ़ गई है।

रिपोर्ट्स के मुतबाकि अलनीनो के असर और मौसम के बदलते मिजाज के कारण ऐसा हो रहा है। इस पीक समय में बिजली की जरूरत भी ज्यादा ही पड़ रही है। अल नीनो और हीट वेव के कारण मौसम जरूरत से ज्यादा गर्म है। इसी की वजह से बिजली की खपत भी ज्यादा हो रही है और प्लांट में कोयले की कमी भी हो रही है। सरकारी डाटा के मुताबिक भारत में बिजली की अधिकतम जरूरत पिछले हफ्ते 230 गीगावाट से 250 गीगावाट के बीच रही तो वहीं मई में बिजली की अधिकतम मांग 270.70 गीगावाट के अब तक के सबसे हाई लेवल पर पहुंच गई थी।

एनालिस्ट्स का कहना है कि पावर प्लांट के स्टॉक में कमी सप्लाई से जुड़ी किसी बुनियादी दिक्कत का संकेत नहीं, बल्कि लॉजिस्टिक्स से जुड़ी एक अस्थायी समस्या लगती है। सितंबर की शुरुआत में भारत के कोयला और रेलवे मंत्रालय ने कहा था कि अनिश्चित मानसून की स्थिति के चलते शिपमेंट पर काफी असर पड़ा था, जिसके बाद से ही वो पावर प्लांट में सप्लाई भी बढ़ा रहे हैं। अप्रैल और अगस्त के बीच रिन्यूएबल पावर का प्रोडक्शन करीब 21 फीसदी तक बढ़ा था, लेकिन क्लीन एनर्जी की सप्लाई में उतार-चढ़ाव की वजह से, चौबीसों घंटे बिजली की मांग को पूरा करने में कोयले से चलने वाले पावर प्लांट की भूमिका अहम बनी रही तो वहीं पिछले हफ्ते की रिपोर्ट में ये सामने आया कि अगस्त में भारत में बिजली उत्पादकों का कोयला आयात भी बढ़ गया था, ये अपने 15 महीने के स्तर से काफी ऊपर पहुंच गया था। इसके पीछे की वजह हीट वेव और गर्मी थी, ऐसे में जल-बिजली का उत्पादन कम हुआ और बिजली कंपनियों को महंगा कोयला खरीदना पड़ा।

भाजपा बनाम सपा की सीधी जंग, कौन बनेगा विधान परिषद सदस्य?

लखनऊ(ए)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच दो और बड़े चुनाव दस्तक दे रहे हैं, जिनमें राज्यसभा और विधान परिषद के चुनाव शामिल हैं। यूपी की 10 राज्यसभा और 11 विधान परिषद सीटों के लिए अक्टूबर में चुनाव होना है। इनमें विधान परिषद की 11 सीटों पर 23 अक्टूबर को मतदान होगा। भारतीय जनता पार्टी की तरफ से अभी 6 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान बाकी है, जबकि समाजवादी पार्टी सभी सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। विधान परिषद चुनाव की अधिसूचना 29 सितंबर को जारी होगी और 6 अक्टूबर तक नामांकन किए जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 7 अक्टूबर और नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 9 अक्टूबर है। 23 अक्टूबर को वोटिंग होगी और 27 अक्टूबर को नतीजों का ऐलान होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि विधान परिषद की 5 खंड स्नातक और 6 खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव होगा, जिनके निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 6 दिसंबर को पूरा हो रहा है। जिन 11 सदस्यों का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है, उनमें लखनऊ खंड स्नातक से अवनीश कुमार सिंह, वाराणसी से आशुतोष सिन्हा, आगरा से डॉक्टर मानवेंद्र प्रताप सिंह, मेरठ से दिनेश कुमार गोयल, इलाहाबाद-झांसी से डॉक्टर मान सिंह यादव, उमेश द्विवेदी, लाल बिहारी यादव, डॉक्टर आकाश अग्रवाल, श्रीचंद शर्मा, हरि सिंह ढिल्लों और ध्रुव कुमार त्रिपाठी शामिल हैं। भाजपा इनमें से पांच सीटों पर मई में ही प्रत्याशी घोषित कर चुकी है, जिसमें पार्टी ने मौजूदा चेहरों पर ही दांव लगाया है। लखनऊ-सीतापुर स्नातक सीट से अवनीश कुमार सिंह, लखनऊ-सीतापुर शिक्षक सीट से उमेश द्विवेदी, बरेली-मुरादाबाद से हरी सिंह ढिल्लो, आगरा स्नातक सीट से डॉक्टर मानवेंद्र सिंह और मेरठ-सहारनपुर सीट से श्रीचंद शर्मा को फिर मैदान में उतारा गया है। बाकी की आधा दर्जन सीटों पर भाजपा में माथापच्ची का सिलसिला जारी है, हालांकि इन सीटों पर कोर कमेटी सहित कई स्तर पर मंथन हो चुका है और जल्द प्रत्याशी घोषित होने की उम्मीद है। भाजपा को अभी गोरखपुर शिक्षक सीट, इलाहाबाद स्नातक सीट, वाराणसी शिक्षक और स्नातक सीट, आगरा शिक्षक सीट और मेरठ स्नातक सीट पर प्रत्याशी घोषित करने हैं। पार्टी जिताऊ चेहरों की खोज में जुटी है।